वर्ष 10, अंक 109

सहयोग शुल्क : रु.1 / फरवरी 2026

दिव्यांग सेतु

संपादक : संतश्री ॐऋषि प्रितेषभाई

10 YEARS CELEBRATION

मंगल प्रवेश
एक सशक्त कदम

"दिव्यांग मेरे लिए सेवा नहीं, साधना हैं—उनका आत्मसम्मान ही मेरा संकल्प है।"

(संतश्री सद्गुरु ॐऋषि स्वामी)

"दिव्यांगों की क्षमता पर देश को गर्व है—उनका सशक्तिकरण मेरा संकल्प है।"

(प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी)

निरामय हेल्थ पॉलिसी

पात्रता

- केन्द्र सरकार द्वारा चलाई जा रही यह पॉलिसी सेरेब्रलपाल्सी, ऑटिज्म, मेन्टल रिटार्डेशन, मल्टिपल डिसेबिलिटी से असरग्रस्त दिव्यांगो को मिल सकती है।
- ४०% अथवा उससे अधिक दिव्यांगता से असरग्रस्त व्यक्ति को इस पॉलिसी का लाभ मिल सकेगा।
- रू. २५०/- बी.पी.एल. एवं रु.५००/- ए.पी.एल. दिव्यांगो के लिए सिंगल प्रीमियम

लाभ

रु. १,००,०००/- तक का इंश्योरेंस मिल सकता है।
(निर्धारित किए हुए फंड के अनुसार)

आवेदनपत्र के साथ जमा किए जाने वाले प्रमाणपत्र/दस्तावेज

सिविल सर्जन का दिव्यांगता दर्शाता प्रमाणपत्र

(ऊपर बताई गई चार बीमारियों में से किसी भी एक का उल्लेख प्रमाणपत्र में जरुरी है)

- ✓ वर्तमान की पासपोर्ट साइज़ फोटो
- ✓ राशनकार्ड की प्रमाणित कोपी
- ✓ निवास स्थान का प्रमाण (राशनकार्ड अथवा वोटिंग कार्ड)
- ✓ बी.पी.एल. कार्ड (यदि बी.पी.एल. में आते हैं तो)
- ✓ बैंक पासबुक की फोटो कोपी (बैंक IFSC कोड के साथ)

10 वर्षों की प्रेरणादायी यात्रा

मैगज़ीन आज अपने 10वें वर्ष में प्रवेश कर चुकी है। यह केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि दिव्यांगजनों के अधिकार, सम्मान और सशक्तिकरण की आवाज़ है। इस मैगज़ीन की शुरुआत ॐकार फाउन्डेशन ट्रस्ट और संतश्री ॐऋषि स्वामी के प्रेरणादायी मार्गदर्शन में की गई थी। इसका उद्देश्य स्पष्ट था—दिव्यांगजनों के लिए एक ऐसा मंच तैयार करना, जहाँ उनकी समस्याएँ, उपलब्धियाँ और संभावनाएँ पूरे समाज तक पहुँच सकें। पिछले दस वर्षों में Divyang Setu ने दिव्यांगजनों के जीवन से जुड़े हर महत्वपूर्ण पहलू को समर्पित भाव से प्रस्तुत किया है। पत्रिका ने सरकारी योजनाओं और नीतियों, सशक्तिकरण कार्यक्रमों, शिक्षा और रोजगार के अवसरों, तथा स्वास्थ्य और पुनर्वास से संबंधित जानकारियों को सरल और विश्वसनीय भाषा में पाठकों तक पहुँचाया। साथ ही, देशभर से आने वाली प्रेरक कहानियों, सफलता के उदाहरणों और जमीनी स्तर की पहलों ने हजारों दिव्यांगजनों और उनके परिवारों को नई दिशा और आत्मविश्वास दिया। Divyang Setu की विशेषता यह रही है कि इसने केवल समाचारों तक स्वयं को सीमित नहीं रखा, बल्कि खेल, कला, संस्कृति और सामाजिक गतिविधियों में दिव्यांगजनों की भागीदारी को भी प्रमुखता से स्थान दिया। पैरा-स्पोर्ट्स में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों की उपलब्धियाँ, सामाजिक कार्यों में सक्रिय व्यक्तित्वों के साक्षात्कार और जमीनी संघर्षों की सच्ची कहानियाँ इस पत्रिका को एक विश्वसनीय और प्रेरक मंच बनाती हैं। आज, जब Divyang Setu अपने 10वें वर्ष में प्रवेश कर रही है, यह गर्व के साथ कहा जा सकता है कि इसने समाज और दिव्यांगजनों के बीच एक मजबूत सेतु का कार्य किया है। आने वाले वर्षों में भी यह पत्रिका दिव्यांगजनों के अधिकार, अवसर और आत्मनिर्भरता की आवाज़ बनकर, एक समावेशी और संवेदनशील समाज के निर्माण में अपनी भूमिका निभाती रहेगी।

दिव्यांग सेतु

मासिक पत्रिका

फरवरी – 2026, पृष्ठ संख्या – 16

वर्ष – 10 | अंक – 109

✦ प्रेरणास्त्रोत और संपादक ✦

मंत्रयुगपरिवर्तक ॐकार महामंडलेश्वर १००८

प. पू. संतश्री सद्गुरु ॐऋषि स्वामी ।

✦ सह-संपादक ✦

मिहिरभाई शाह

मो. 97241 81999

✦ संपर्क-सूत्र ✦

सेवा समर्पण फाउन्डेशन

ॐकार फाउन्डेशन ट्रस्ट(NGO)

Trust Reg. No.: E/20646/Ahmedabad

०१, ग्राउण्ड फ्लोर, आंगी एपार्टमेन्ट, अन्नपूर्णा पार्टी प्लॉट के सामने, नया विकासगृह रोड, पालडी, अहमदाबाद - ३८०००९

(मो.) 99749 55365, 9974955125

✦ मुद्रक ✦

प्रिन्ट विज़न प्रा. लि.

आंबावाडी बाज़ार, अहमदाबाद-6

Phone : 079 26405200

वोइस टू दिव्यांग

ॐकार फाउंडेशन ट्रस्ट द्वारा आयोजित ११वा दिव्यांग पतंग महोत्सव

ॐकार फाउन्डेशन ट्रस्ट (NGO) द्वारा आयोजित 'पतंग महोत्सव' दिव्यांगजनों के जीवन में खुशियों के रंग भरने की एक अनूठी पहल साबित हुई। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य दिव्यांगों के चेहरे पर मुस्कान लाना और समाज में उनके प्रति संवेदनशीलता बढ़ाना था। यह आयोजन 04 जनवरी 2026 को अन्नपूर्णा पार्टी प्लॉट, न्यू विकास गृह रोड, पालड़ी, अहमदाबाद में भव्य रूप से संपन्न हुआ। इस विशेष अवसर पर दिव्यांग भाई-बहनों ने पतंग उड़ाने की खुली आज़ादी के साथ उत्साह, उमंग और आनंद का अनुभव किया। खुले आकाश में रंग-बिरंगी पतंगों के साथ उनकी मुस्कान यह संदेश दे रही थी कि खुशियाँ किसी शारीरिक सीमा की मोहताज नहीं होतीं।

इस पतंग महोत्सव की सबसे बड़ी विशेषता सद्गुरु ॐऋषि स्वामीजी का पावन सान्निध्य रहा। उनके आशीर्वचनों से आयोजन आध्यात्मिक ऊर्जा से भर गया। उन्होंने दिव्यांगजनों की प्रतिभा और आत्मबल को सम्मान देने का संदेश दिया। उनकी उपस्थिति से दिव्यांग प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ा और स्वयंसेवकों व अतिथियों को सेवा-समर्पण की प्रेरणा मिली। ॐकार फाउन्डेशन ट्रस्ट द्वारा आयोजित यह पतंग महोत्सव दिव्यांग सशक्तिकरण का प्रेरक उदाहरण बना, जहाँ दिव्यांगों ने पहली बार खुले मैदान में पतंग उड़ाकर आनंद, आत्मविश्वास और मुस्कान का अनुभव किया।

ॐकार फाउन्डेशन ट्रस्ट की प्रेरणादायक पहल

जब दिव्यांगजनों के जीवन में खुशियों के रंग घुलते हैं, तब केवल उनका नहीं बल्कि पूरे समाज का मनोबल ऊँचा होता है। ऐसे ही सकारात्मकता, संवेदना और समानता के भाव को साकार करता हुआ ॐकार फाउन्डेशन ट्रस्ट (NGO) द्वारा आयोजित पतंग महोत्सव एक यादगार और प्रेरणादायक आयोजन के रूप में सामने आया। यह आयोजन 04 जनवरी 2026 को अन्नपूर्णा पार्टी प्लॉट, न्यू विकास गृह रोड, पालड़ी, अहमदाबाद में अत्यंत उत्साह और गरिमा के साथ संपन्न हुआ।

स्वयंसेवकों का समर्पण और सहयोग

इस आयोजन की सफलता में ॐकार फाउन्डेशन ट्रस्ट के समर्पित स्वयंसेवकों की भूमिका अत्यंत सराहनीय रही। हर दिव्यांग सहभागी के साथ स्वयंसेवक सहयोग के लिए तत्पर रहे, जिससे किसी को भी असहजता या संकोच महसूस न हो।

चाहे पतंग पकड़ने में सहायता हो, धागा थामने में सहयोग या मैदान में सुरक्षित आवागमन—हर स्तर पर स्वयंसेवकों ने सेवा भाव का उदाहरण प्रस्तुत किया। उनका यह समर्पण यह दर्शाता है कि जब समाज मिलकर सहयोग करता है, तब दिव्यांगजनों के लिए कोई भी बाधा बड़ी नहीं रहती।

स्वयंसेवकों का समर्पण और सहयोग

इस पतंग महोत्सव की सबसे विशेष और प्रेरणादायक उपस्थिति रही सद्गुरु ॐऋषि स्वामीजी का पावन सान्निध्य। उनके आशीर्वचन और प्रेरक विचारों ने पूरे आयोजन को आध्यात्मिक ऊर्जा और मानवीय संवेदना से भर दिया। सद्गुरुजी ने अपने संदेश में कहा कि "दिव्यांगजन समाज का अभिन्न अंग हैं। उनकी प्रतिभा, आत्मबल और आत्मविश्वास को पहचानना और सम्मान देना हम सभी का नैतिक कर्तव्य है।" उनके ये शब्द न केवल दिव्यांग प्रतिभागियों के लिए, बल्कि उपस्थित अतिथियों, स्वयंसेवकों और आयोजकों के लिए भी गहरी प्रेरणा का स्रोत बने।

उनकी उपस्थिति ने आयोजन को केवल सामाजिक नहीं, बल्कि आध्यात्मिक दृष्टि से भी विशेष बना दिया।
इस आयोजन की सफलता में ॐकार फाउन्डेशन ट्रस्ट के समर्पित स्वयंसेवकों की भूमिका अत्यंत सराहनीय रही। हर दिव्यांग सहभागी के साथ स्वयंसेवक सहयोग के लिए तत्पर रहे, जिससे किसी को भी असहजता या संकोच महसूस न हो। चाहे पतंग पकड़ने में सहायता हो, धागा थामने में सहयोग या मैदान में सुरक्षित आवागमन—हर स्तर पर स्वयंसेवकों ने सेवा भाव का उदाहरण प्रस्तुत किया। उनका यह समर्पण यह दर्शाता है कि जब समाज मिलकर सहयोग करता है, तब दिव्यांगजनों के लिए कोई भी बाधा बड़ी नहीं रहती।

वोइस टू दिव्यांग

खुले आकाश में आज़ादी का अनुभव

इस विशेष अवसर पर दिव्यांग भाई-बहनों को पतंग उड़ाने की खुली आज़ादी मिली। उनके चेहरों पर उत्साह, आँखों में चमक और मन में उमंग साफ झलक रही थी। कई प्रतिभागियों के लिए यह अनुभव जीवन में पहली बार था, जब उन्होंने खुले मैदान में बिना किसी रोक-टोक के पतंग उड़ाई।

रंगीन पतंगें जब आकाश में लहराईं, तो वे केवल धागे से बंधी काग़ज़ की आकृतियाँ नहीं थीं, बल्कि वे उन सपनों और उम्मीदों का प्रतीक थीं, जिन्हें समाज अक्सर अनदेखा कर देता है। उस दिन आकाश में उड़ती हर पतंग

ॐकार फाउन्डेशन ट्रस्ट द्वारा आयोजित यह पतंग महोत्सव केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं रहा। यह दिव्यांग सशक्तिकरण का एक सजीव और प्रभावशाली उदाहरण बनकर उभरा।

पतंग उड़ाते समय दिव्यांगजनों की आँखों में आत्मविश्वास और चेहरे पर मुस्कान यह स्पष्ट रूप से दर्शा रही थी कि ऐसे आयोजन उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाते हैं। यह अनुभव उन्हें यह विश्वास दिलाता है कि वे भी समाज के समान अधिकारों और अवसरों के हक़दार हैं। ॐकार फाउन्डेशन ट्रस्ट का यह पतंग महोत्सव केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि दिव्यांग सशक्तिकरण का सशक्त उदाहरण बना। पतंग उड़ाते समय दिव्यांगजनों की आँखों में झलकता आत्मविश्वास और चेहरे की मुस्कान उनके जीवन में आए सकारात्मक बदलाव को दर्शा रही थी। यह अनुभव उन्हें समाज में समान अधिकार और अवसरों का विश्वास दिलाता है।

वोइस टू दिव्यांग

पुलिस कमिश्नर दंपती ने 230 दिव्यांग बच्चों को घर बुलाकर भोजन कराया।

वर्दी के पीछे धड़कती करुणा: सूरत पुलिस की संवेदनशील पहल

पुलिस की सख़्त छवि से अलग, सूरत पुलिस ने मानवीय संवेदना का सुंदर उदाहरण पेश किया। पलोद के दिव्यांग विद्यालय के 230 विशेष बच्चों को पुलिस कमिश्नर ने अपने निजी निवास पर आमंत्रित किया। सूरत पुलिस के इतिहास में पहली बार यह पहल सामाजिक जिम्मेदारी और करुणा की मिसाल बनी।

अपनापन, जो दिलों को छू गया

पुलिस कमिश्नर अनुपम सिंह गेहलोत और उनकी धर्मपत्नी संध्या गेहलोत ने स्वयं बच्चों के बीच बैठकर, अपने हाथों से उन्हें प्रेमपूर्वक भोजन कराया। यह दृश्य बच्चों के लिए ही नहीं, बल्कि उपस्थित सभी लोगों के लिए भावुक कर देने वाला था। बच्चों के चेहरों पर खुशी, विश्वास और अपनापन साफ झलक रहा था। यह आयोजन केवल भोजन तक सीमित नहीं रहा, बल्कि एक ऐसा अनुभव बन गया, जिसने बच्चों के दिलों में लंबे समय तक रहने वाली स्मृतियाँ छोड़ दीं।

समाज के लिए प्रेरणास्रोत

सूरत पुलिस की यह पहल पूरे समाज के लिए एक प्रेरणा है—कि सच्ची सेवा वही है, जो दिल से की जाए, और जिसमें किसी भी प्रकार के भेदभाव की कोई जगह न हो। यह आयोजन यह सिखाता है कि जब अधिकार, दायित्व और संवेदना एक साथ चलते हैं, तभी समाज में वास्तविक परिवर्तन संभव होता है।

वोइस टू दिव्यांग

1.

विश्व विकलांगता एवं पुनर्वास सम्मेलन (WDRC) 2026

विकलांगता एवं पुनर्वास के क्षेत्र में वैश्विक संवाद, अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने हेतु World Disability & Rehabilitation Conference (WDRC) 2026 का आयोजन 22 फ़रवरी 2026 को अहमदाबाद, गुजरात में किया जाएगा। यह सम्मेलन नीति-निर्माताओं, शोधकर्ताओं, चिकित्सकों, शिक्षा व पुनर्वास विशेषज्ञों तथा समाजसेवियों को एक साझा मंच प्रदान करेगा, जहाँ डिसएबिलिटी राइट्स, पुनर्वास तकनीक और समावेशी नीतियों पर चर्चा होगी। सम्मेलन का उद्देश्य विकलांग व्यक्तियों के जीवन स्तर, शिक्षा, रोजगार और सामाजिक समावेशन को सशक्त करना है।

2.

WDRC 2026 : उद्देश्य, संवाद और सकारात्मक परिवर्तन

- मस्तिष्क व मानसिक स्वास्थ्य समर्थन एवं पुनर्वास पहल
- सहायता-प्रौद्योगिकी और नवाचार,
- समावेशी शिक्षा और रोजगार,
- सशक्तिकरण के लिए नीतिगत उपाय,
- समुदाय-आधारित पुनर्वास मॉडल शामिल हैं।

World Disability & Rehabilitation Conference (WDRC) का मूल उद्देश्य विश्वभर के प्रतिभागियों के बीच ज्ञान का आदान-प्रदान, अनुभव साझा करना और प्रभावी रणनीतियों का विकास करना है, जिससे विकलांग व्यक्तियों के जीवन में वास्तविक और अर्थपूर्ण बदलाव लाया जा सके। इस सम्मेलन में वक्ता, शोधकर्ता और प्रतिभागी पेशेवर तथा व्यक्तिगत स्तर पर सक्रिय योगदान देंगे। पुनर्वास और समावेशन से जुड़े क्षेत्रों में नवीनता, शोध और विविध दृष्टिकोणों को प्रोत्साहित करना WDRC की प्रमुख विशेषता है। WDRC 2026 का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि यह समावेशी नीतियों और व्यवहारिक अभ्यासों को आगे बढ़ाता है। नीति-निर्माता और विशेषज्ञ यहाँ यह समझ पाएँगे कि स्थानीय, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पुनर्वास कार्यक्रमों को कैसे अधिक सशक्त, न्यायसंगत और प्रभावी बनाया जा सकता है। सम्मेलन के अंतर्गत शोध पत्रों का प्रकाशन, कार्यशालाएँ और नेटवर्किंग सत्र आयोजित किए जाएँगे, जो प्रतिभागियों को अपने शोध, नवाचार और सामाजिक पहलों को व्यापक मंच पर प्रस्तुत करने का अवसर देंगे। इस प्रकार के सम्मेलन न केवल आधुनिक शोध और नई तकनीकों को सामने लाते हैं, बल्कि समाज में समान अवसर, सकारात्मक सोच और समावेशी दृष्टिकोण को भी प्रोत्साहित करते हैं—जिससे विकलांग व्यक्ति समाज की मुख्यधारा में आत्मविश्वास के साथ अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित कर पाते हैं।

दिल्ली में दिव्यांगजनों की जीवनशैली को सुधारने और उनके मूलभूत खर्चों में सहायता देने के उद्देश्य से दिल्ली सरकार ने एक नई मासिक आर्थिक सहायता योजना को मंजूरी दी है। इस योजना के तहत अब राजधानी दिल्ली में रहने वाले ऐसे दिव्यांग नागरिकों को ₹6000 प्रतिमाह की सहायता राशि सीधे उनके बैंक खाते में भेजी जाएगी, जिससे वे इलाज, देखभाल और आवश्यक खर्चों में इसका उपयोग कर सकें। योजना का उद्देश्य इस नई योजना का मुख्य उद्देश्य गंभीर रूप से दिव्यांग व्यक्तियों और उनकी देखभाल करने वाले परिवारों को आर्थिक भार से राहत देना है। दिल्ली सरकार के अनुसार यह राशि केवल पेंशन या पारंपरिक सहायता राशि से अलग है और इसे डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (DBT) के माध्यम से लाभार्थी के आधार-जुड़े खाते में भेजा जाएगा। सरकार का कहना है कि दिव्यांगजन अक्सर महंगे इलाज, सहायक उपकरणों और पुनर्वास सेवाओं के लिए नियमित आर्थिक सहायता के अभाव में कठिनाइयों का सामना करते हैं। इस योजना के ज़रिए उन्हें आत्म-निर्भरता और सम्मान के साथ जीवन जीने का अवसर मिलेगा।

योजना का उद्देश्य

इस नई योजना का मुख्य उद्देश्य गंभीर रूप से दिव्यांग व्यक्तियों और उनके परिवारों को आर्थिक बोझ से राहत देना है। दिल्ली सरकार के अनुसार यह सहायता पारंपरिक पेंशन या पूर्ववर्ती योजनाओं से अलग है और इसे डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (DBT) के माध्यम से लाभार्थी के आधार-लिंक्ड बैंक खाते में भेजा जाएगा।

"यह योजना दिव्यांगजनों को केवल आर्थिक सहायता नहीं,
बल्कि आत्मनिर्भरता और सम्मान के साथ जीवन जीने का अवसर प्रदान करती है।"

वोइस टू दिव्यांग

रेलवे में भाषा सुधार: सम्मान की ओर एक सशक्त कदम

भारतीय रेलवे ने वर्ष 2026 की शुरुआत में दिव्यांग यात्रियों के सम्मान और गरिमा को केंद्र में रखते हुए एक महत्वपूर्ण और संवेदनशील निर्णय लिया है। रेलवे द्वारा दिव्यांग यात्रियों के लिए जारी किए जाने वाले रियायत (कनसेशन) प्रमाणपत्रों, आवेदन प्रपत्रों और संबंधित दस्तावेज़ों में प्रयुक्त पुराने, रूढ़िवादी और असंवेदनशील शब्दों को हटाकर अब "दिव्यांगजन" जैसे सम्मानजनक और मानवीय शब्दों को शामिल किया गया है। यह परिवर्तन 1 फरवरी 2026 से पूरे देश में लागू कर दिया गया है।

रेलवे प्रशासन का मानना है कि भाषा समाज की मानसिकता को आकार देती है। जब सरकारी तंत्र अपने दस्तावेज़ों में सम्मानजनक शब्दों का उपयोग करता है, तो वह पूरे समाज को समावेशिता और संवेदनशीलता का संदेश देता है। इस बदलाव से उन दिव्यांग यात्रियों को विशेष मान सिक संबल मिलेगा, जो अब तक कई बार अपमानजनक शब्दों या जटिल प्रक्रियाओं के कारण असहज महसूस करते थे। नए शब्दों के साथ-साथ श्रेणियों को अधिक स्पष्ट रूप से परिभाषित किया गया है, जिससे रियायत प्राप्त करने की प्रक्रिया सरल और पारदर्शी बनी है।

अब तक अनेक सरकारी दस्तावेज़ों में ऐसे शब्दों का प्रयोग होता रहा है, जो अनजाने में हीनभावना को बढ़ावा देते थे। रेलवे के इस निर्णय का मुख्य उद्देश्य केवल शब्दों को बदलना नहीं है, बल्कि समाज की सोच और दृष्टिकोण में भी सकारात्मक बदलाव लाना है। नए फॉर्म और प्रमाणपत्रों में अब "दृष्टिबाधित व्यक्ति", "श्रवण एवं वाक् बाधित व्यक्ति", "चलन-बाधित एवं अन्य दिव्यांगता" जैसे स्पष्ट, संवेदनशील और गरिमामय शब्दों का प्रयोग किया जा रहा है। इससे न केवल दस्तावेज़ों की भाषा अधिक सम्मानजनक बनी है, बल्कि दिव्यांग यात्रियों के लिए प्रक्रियाएँ भी अधिक सहज और आत्मसम्मानपूर्ण हो गई हैं।

विशेषज्ञों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने रेलवे के इस कदम का स्वागत किया है। उनका कहना है कि यह निर्णय केवल प्रशासनिक सुधार नहीं, बल्कि मानवीय दृष्टिकोण में परिवर्तन का प्रतीक है। लंबे समय से यह मांग उठती रही थी कि दिव्यांगजनों को केवल लाभार्थी के रूप में नहीं, बल्कि सम्मानित नागरिक के रूप में देखा जाए। रेलवे की यह पहल उसी दिशा में एक मजबूत कदम है। इससे अन्य सरकारी विभागों और संस्थानों को भी प्रेरणा मिलेगी कि वे अपने नियमों, प्रपत्रों और संचार माध्यमों में प्रयुक्त भाषा की समीक्षा करें। यात्रियों के स्तर पर भी इसका सकारात्मक प्रभाव देखने को मिल सकता है। जब कोई दिव्यांग यात्री टिकट रियायत के लिए आवेदन करेगा, तो उसे सम्मानजनक शब्दों में संबोधित किया जाएगा, जिससे आत्मसम्मान बढ़ेगा और सेवा लेने में संकोच कम होगा। यह बदलाव विशेष रूप से उन लोगों के लिए महत्वपूर्ण है, जो पहली बार यात्रा करते समय औपचारिकताओं से

वोइस टू दिव्यांग

शिक्षा और समाज में दिव्यांग समावेशन , 2026 की प्रेरक और सराहनीय पहल

2026 में शिक्षा और सामाजिक क्षेत्र में कार्यरत कई प्रतिष्ठित संस्थानों ने दिव्यांगजनों के समावेशन की दिशा में सराहनीय पहल की। विशेष रूप से आईआईटी कानपुर के "सेल फॉर डिफरेंटली एबल्ड पर्सन्स (CDAP)" द्वारा आयोजित वार्षिक कार्यक्रम ने यह स्पष्ट किया कि उच्च शिक्षा संस्थान अब केवल अकादमिक उत्कृष्टता तक सीमित नहीं रहना चाहते, बल्कि समावेशी और संवेदनशील वातावरण के निर्माण में भी अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। इस कार्यक्रम के माध्यम से दिव्यांग छात्रों के लिए विशेष सहायता सेवाएँ, तकनीकी उपकरण, अनुकूल शैक्षणिक संसाधन और जागरूकता अभियानों को प्रमुखता दी गई। संस्थान ने यह संदेश दिया कि उचित सुविधाएँ और सहयोग मिलने पर दिव्यांग छात्र भी अपनी प्रतिभा के बल पर समान अवसरों के साथ आगे बढ़ सकते हैं। इसी प्रकार, तमिलनाडु के त्रिची में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों में दिव्यांग बच्चों की सक्रिय भागीदारी समाज के लिए एक प्रेरक उदाहरण बनी। इन आयोजनों में विशेष रूप से सुलभ मंच, संकेत भाषा की सहायता, दृश्य एवं श्रवण अनुकूल प्रस्तुतियाँ तथा दिव्यांग बच्चों के लिए समर्पित गतिविधियाँ शामिल की गईं। इससे न केवल बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ा, बल्कि दर्शकों के बीच भी संवेदनशीलता और समावेशन की भावना को बल मिला। इन पहलों का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि वे दिव्यांगजनों को केवल सहायता का पात्र नहीं, बल्कि समाज के सक्रिय और सम्मानित भागीदार के रूप में प्रस्तुत करती हैं। शिक्षा संस्थानों द्वारा तकनीकी सहयोग और सामाजिक मंचों द्वारा रचनात्मक अभिव्यक्ति के अवसर देना, दोनों मिलकर एक ऐसे समाज की नींव रखते हैं जहाँ भिन्नताएँ बाधा नहीं, बल्कि विविधता का उत्सव बनें।

सांस्कृतिक मंचों पर दिव्यांग बच्चों की भागीदारी

शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक और सांस्कृतिक क्षेत्र में भी समावेशन की सशक्त मिसाल देखने को मिली। तमिलनाडु के त्रिची में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों में दिव्यांग बच्चों की सक्रिय और आत्मविश्वासपूर्ण भागीदारी समाज के लिए प्रेरणास्रोत बनी। इन आयोजनों में सुलभ व अनुकूल मंच व्यवस्था, संकेत भाषा की सहायता, दृश्य-श्रवण अनुकूल प्रस्तुतियाँ तथा दिव्यांग बच्चों के लिए समर्पित रचनात्मक गतिविधियाँ शामिल रहीं, जिन्होंने समावेशी सोच को मजबूती प्रदान की।

मनोदिव्यांगजनों का पतंगोत्सव

नवजीवन चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित डॉ. हरिकृष्ण दाह्याभाई स्वामी स्कूल फॉर इंटेलेक्चुअल डिसेबल्ड के मनोदिव्यांग विद्यार्थियों के लिए पतंगोत्सव का आयोजन ऑडा गार्डन, दिव्यपथ स्कूल के सामने, मेमनगर में किया गया। इस कार्यक्रम में पतंगोत्सव के बाद भोजन की व्यवस्था छाला श्री कृष्णा परमार के परिवार द्वारा की गई। पतंग और फिरकी लायंस क्लब ऑफ संवेदना की ओर से प्रदान की गई, जबकि श्री कुंज मंडल की ओर से चिक्की वितरित की गई। विद्यार्थियों ने पतंग उड़ाते और पीपूड़ा बजाते हुए उत्सव का भरपूर आनंद लिया। इस आयोजन का लाभ लगभग 90 मनोदिव्यांग विद्यार्थियों ने लिया। — नवजीवन परिवार

समावेशी पतंगोत्सव का उल्लास

आयोजन के अंतर्गत पतंगोत्सव के बाद भोजन की व्यवस्था छाला श्री कृष्णा परमार के परिवार द्वारा की गई। पतंग एवं फिरकी का सहयोग लायंस क्लब ऑफ संवेदना ने प्रदान किया, जबकि श्री कुंज मंडल द्वारा चिक्की वितरित की गई। उत्सव के दौरान विद्यार्थियों ने पतंग उड़ाते और पीपूड़ा बजाते हुए भरपूर आनंद लिया। इस समावेशी आयोजन का लाभ लगभग 90 मनोदिव्यांग विद्यार्थियों ने उठाया, जिससे माहौल उल्लास से भर गया।

वोइस टू दिव्यांग

दिव्यांग शक्ति का राष्ट्रीय मंच

खेल केवल शारीरिक क्षमता का प्रदर्शन नहीं होता, बल्कि यह आत्मबल, अनुशासन और आत्मविश्वास का सशक्त माध्यम भी है। जब यही खेल दिव्यांग खिलाड़ियों के लिए अवसर बनता है, तब वह समाज को नई सोच और नई दिशा देता है। इसी भावना को साकार करता हुआ "16वां जूनियर/मास्टर्स/दिव्यांग बॉडीबिल्डिंग एवं फ़िज़िक स्पोर्ट्स चैंपियनशिप 2026" एक प्रेरणादायक राष्ट्रीय आयोजन के रूप में सामने आ रहा है। यह प्रतिष्ठित राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता 7 और 8 फ़रवरी 2026 को V कन्वेंशन सेंटर, बोम्मकल, करीमनगर, तेलंगाना में आयोजित की जाएगी। इसका आयोजन इंडियन बॉडी बिल्डर्स फ़ेडरेशन (IBBF) तथा तेलंगाना बॉडी बिल्डर्स फ़िज़िक स्पोर्ट्स एसोसिएशन (TBBPSA) के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है। दिव्यांग खिलाड़ियों के लिए विशेष महत्व

इस चैंपियनशिप की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि इसमें दिव्यांग खिलाड़ियों के लिए विशेष दो श्रेणियाँ निर्धारित की गई हैं। यह कदम न केवल खेल जगत में समावेशिता को दर्शाता है, बल्कि यह संदेश भी देता है कि दिव्यांगता कमजोरी नहीं, बल्कि एक अलग प्रकार की शक्ति है। Divyang Setu Magazine के दृष्टिकोण से यह आयोजन एक ऐसे सेतु के समान है, जो दिव्यांग खिलाड़ियों को आत्मनिर्भरता, पहचान और राष्ट्रीय मंच से जोड़ता है। यह मंच उन्हें यह विश्वास दिलाता है कि उनकी मेहनत, अनुशासन और फिटनेस साधना भी उतनी ही सम्माननीय है जितनी किसी अन्य खिलाड़ी की। प्रतियोगिता की संरचना और सहभागिता यह राष्ट्रीय चैंपियनशिप विभिन्न वर्गों में आयोजित की जा रही है, जिनमें

- जूनियर बॉडीबिल्डिंग
- मास्टर्स बॉडीबिल्डिंग
- फ़िज़िक स्पोर्ट्स
- तथा विशेष दिव्यांग श्रेणियाँ शामिल हैं।

प्रतियोगिता में भागीदारी केवल IBBF से संबद्ध राज्य इकाइयों के माध्यम से मान्य है, जिससे गुणवत्ता, अनुशासन और निष्पक्षता सुनिश्चित होती है। यह व्यवस्था आयोजन के उच्च खेल मानकों को दर्शाती है। बॉडीबिल्डिंग और फ़िज़िक स्पोर्ट्स में भाग लेना दिव्यांग खिलाड़ियों के लिए आसान नहीं होता। इसके पीछे वर्षों की मेहनत, निरंतर अभ्यास और मानसिक दृढ़ता होती है। यह प्रतियोगिता उन सभी संघर्षों को सम्मान प्रदान करती है। मंच पर उतरते दिव्यांग खिलाड़ी केवल फिटनेस का प्रदर्शन नहीं करते। वे समाज को अपनी क्षमता और आत्मनिर्भरता का संदेश देते हैं। यह आयोजन माता-पिता, प्रशिक्षकों और संस्थाओं के लिए भी प्रेरणा है। सही अवसर और समर्थन मिलने पर दिव्यांग खिलाड़ी राष्ट्रीय पहचान बना सकते हैं। यही Divyang Setu Magazine का उद्देश्य और सशक्त भारत की दिशा में एक मजबूत कदम है।

वोइस टू दिव्यांग

राष्ट्रपति भवन में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में दिव्यांग कलाकारों ने व्हीलचेयर पर रामायण आधारित नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों को भावविभोर कर दिया।

ॐकार फाउन्डेशन ट्रस्ट संचालित

संचालित (N.G.O.)

ॐकार दिव्यांग ट्रेनींग डे-केर सेन्टर

मानसिक दिव्यांग बच्चों के लिए निःशुल्क तालीम संस्था

▲ World Autisum Day ▲ Table Tennis Competition ▲ Painting Competition ▲ Sports Day Celebration
▲ Rakshabandhan Celebration ▲15th August Celebration ▲ Janmashtami Celebration
▲ Anand Niketan School Visit ▲ Picnic ▲ Traffic Awareness Program Navratri Celebration

★★★ शाला में प्रवेश के लिए संपर्क करें ★★★

सुमेल ५, हाउस नं.: ४८/डी, बिजनेस पार्क, चामुंडा ब्रीज कोर्नर,
असारवा, अहमदाबाद-३८००१६ मो.: 99749 55125, 99749 55365